REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
विशेषण
LIVE
22-01-2025 11:00 AM

विशेषण

- गुणवाचक विशेषण
- परिमाणवाचक विशेषण
- संख्यावाचक विशेषण
- सार्वनामिक विशेषण

विशेषण चार प्रकार के होते है।

परिभाषा ⇒ जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं। उन्हें **विशेषण** कहते हैं।

विशेष्य ⇒ जिस व्यक्ति अथवा वस्तु की विशेषता प्रकट की जाती है। उसे विशेष्य कहते हैं।

प्रविशेषण ⇒ विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्दों को प्रविशेषण कहते हैं।

संज्ञा — रमन बहुत तेज दौड़ता है।

- रमन → विशेष्य
- बहुत → प्रविशेषण
- तेज → विशेषण
- दौड़ता → क्रिया।

1. गुणवाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण, दोष, आकार आदि का बोध हो उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं

लाल फूल

हरा पेड़

ईमानदार व्यक्ति

दयालु राजा

मीठा फल

गंदा हाथ

सफेद आदमी

रवि अच्छा लड़का है

अजय दुष्ट लड़का है

- हमारी गाय **काली** है।
- रमेश एक **बलवान** युवक है।
- राधा **मेधावी** छात्रा है।
- हमने **नया** घर बनवा लिया है।
- कमलेश **सीधा** आदमी है।
- पृथ्वी **गोल** है।
- रवि एक **ईमानदार** इंसान है।
- वह एक **चंचल** बालक है।
- मेरे पास **काली** शर्ट है।
- विक्रम का कद **छोटा** है।
- चाय **मीठी** है।

रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है

गुणबोधक – अच्छा, बुरा, कठिन, सरल, [redacted] आदि।

दशाबोधक – नया, पुराना, रोगी, बीमार, दुबला, कमजोर, मोटा, पतला, वृद्ध, युवा, स्वस्थ, सूखा, फटा हुआ आदि।

दिशाबोधक – पश्चिमी, उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी आदि।

स्वादबोधक – मीठा, खट्टा, नमकीन, कड़वा, तीखा आदि।

रंगबोधक – काला, गोरा, नीला, पीला, हरा, चमकीला आदि।

कालबोधक – प्राचीन, आधुनिक, ऐतिहासिक, पुराना आदि।

स्थानबोधक – भारतीय, विदेशी, रूसी, चीनी, ग्रामीण आदि।

आकारबोधक – बड़ा, छोटा, लम्बा, चौड़ा, तिकोना आदि।

2. परिमाणवाचक विशेषण - जिन विशेषण शब्दों द्वारा संज्ञा की मात्रा (नाप-तौल) का बोध होता है। उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते है।

परिमाणवाचक विशेषण दो प्रकार के होते है।

(i). निश्चित परिमाणवाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा की निश्चित मात्रा का बोध होता है।

उदा० ✓ चार गज मलमल

✓ दो मी० कपड़ा

✓ दस किलो सेब

✓ एक ली० पानी

✓ एक ली० दूध

दो किलो घी

दस ग्राम सोना

दस ग्राम चाँदी

मैंने दो किलो चीनी खरीदी।

(ii). अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा की अनिश्चित मात्रा का बोध होता है।

उदा॰ थोड़ा सोना
कुछ कपड़ा
बहुत सेब
थोड़ा घी
कुछ शहद
थोड़ा दूध

3. संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों द्वारा संज्ञा की संख्या का बोध होता है।

इसके दो भेद होते हैं-

(i). निश्चित संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा की निश्चित संख्या का बोध होता है। इसके छः भेद होते हैं।

उदा॰ एक लाख व्यक्ति सत्संग में गये।

महाकुंभ में पैंतीस करोड़ श्रद्धालु पहुँचे।

कक्षा में सौ विद्यार्थी हैं।

घड़ी में सवा बजा है।

रवि का विद्यालय में प्रथम स्थान है।

दस लाख रुपये

i. **पूर्णांक बोधक** – एक, दस, सौ, हजार, लाख, चार, पाँच आदि।

ii. **अपूर्णांक बोधक** – आधा, पौना, सवा, ढ़ाई आदि।

iii. **क्रमवाचक** – दूसरा, चौथा, गयारहवाँ, पचासवाँ, इक्कीसवाँ आदि।

iv. आवृत्तिवाचक – दुगुना, तिगुना, दसगुना, चौगुना, इकहरा, तिहरा आदि।

v. समूहवाचक – तीनो, चारों, पाँचों, आठों, सातों, दोनों आदि

vi. प्रत्येक बोधक – प्रति, हरेक, एक – एक, हर दिन, हर वर्ष आदि।

पाँच - पाँच आदमी

(ii). अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा की अनिश्चित मात्रा का बोध होता है।

उदा॰ सैकड़ो लोग

लाखों आदमी

बहुत कुर्सी

कुछ पुस्तक

4. सार्वनामिक विशेषण – जब कोई सर्वनाम शब्द संज्ञा शब्द से पहले आकर विशेषण की तरह विशेषता प्रकट करता है। उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

उदा॰ यह किताब मेरी है।
तुम्हारे माता-पिता अच्छे हैं।
यह आदमी दुष्ट है।
यह घर सुन्दर है।
ये आदमी विश्वासी हैं।

यह घर मेरा है।

तुलनात्मक विशेषण

- मूलावस्था – अधिक
- उत्तरावस्था – अधिकतर
- उत्तमावस्था – अधिकतम

नोट - तुलनात्मक विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती है।

1. मूलावस्था – इसमें विशेषणों का सामान्य प्रयोग होता है यहाँ किसी के साथ तुलना नहीं की जाती है।

जैसे – राम एक वीर बालक है।
नीम कड़वा है।
सीता एक सुन्दर कन्या है।
अंशु अच्छी लड़की है।

2. उत्तरावस्था – इसमें दो व्यक्तियों अथवा वस्तुओं की तुलना करके किसी एक कि न्यूनता अथवा अधिकता बताई जाती है।

जैसे – राम श्याम से अधिक सुन्दर है।

करेला नीम से कड़वा है।

अंशु आशु से अच्छी लड़की है।

3. उत्तमावस्था – इसमें दो से अधिक वस्तुओं या व्यक्तियों की तुलना की जाती है। इसमें एक की दूसरी सब वस्तुओं या व्यक्तियों से न्यूनता या अधिकता बताई जाती है।

जैसे – राम सबसे वीर है।

करेला सबसे कड़वा है।

अभिषेक कक्षा में सबसे सुन्दर है।

अंशु सबसे अच्छी है।

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
निम्न	निम्नतर	निम्नतम
सुन्दर	सुन्दरतर	सुन्दरतम
निकट	निकटतर	निकटतम
महान	महानतर	महानतम
लघु	लघुतर	लघुतम
अधिक	अधिकतर	अधिकतम